सादर प्रकाशनार्थ

कल्याण मण्डप मानिकपुर में, सात दिवसीय श्रीमद् भगवद् गीता का शुभारम्भ

कोरबा–11.06.2016–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में दिनांक 9 से 15 जून 2016 तक कल्याण मण्डप मानिकपुर में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कलश यात्रा के बाद, दीप प्रज्जवलन कर भगवद् कथा का शुभारम्भ किया गया। बहन कल्पना मिश्रा अध्यक्ष महिला मण्डल एस.ई.सी.एल.मानिकपुर कोरबा ने कहा कि मानिकपुर निवासियों का आज यह परम सौभाग्य है कि आज से हम सभी को भगवद् कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आपने कहा कि यह संस्था महिलाओं का नाम विश्व में आगे बढ़ा रहीं हैं, इस बात पर मुझे गर्व है। आज चारों ओर बुराईयों का वातावरण है लेकिन यहां आने स एक आत्मिक संतोष और एक अलग से ही आनंद की अनुभूति होती है, जोकि आप कितना भी धन कमायें उससे प्राप्त नहीं कर सकते। इस कार्यकम की सफलाता के लिये हृदय से मैं शुभकामनायें देती हूं। भ्राता सीताराम चौहान पार्षद वार्ड कं 30 ने कहा कि मैं आज के भक्तिमय वातावरण में आयोजकों को इस तरह के आयोजन के लिये धन्यवाद देना चाहूंगा। ऐसा देखा गया है कि कम लोग ही इस तरह के कार्यकमों में सम्मिलित होते हैं। मेरी मानिकपुर निवासियों से अपील है कि इस कार्यकम का सभी लाभ लेगें। भ्राता राजू श्रीवास्तव अध्यक्ष एटक ने कहा कि मैंने सुना है कि केवल श्रीमद्भागवद गीता से जीवन तर जाता है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूॅ कि इस कार्यकम के आयोजन में हमारा सम्पूर्ण सहयोग रहेगा। भ्राता एस.बी.सिंह वरिष्ठ नागरिक ने कहा कि यह तो जब ईश्वरीय प्रेरणा होती है तब हम लोगों को इस तरह के कार्यकमों का लाभ प्राप्त होता है ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन संचालिका कोरबा सेवाकेन्द्र ने कहा कि इस कथा से आपको ईश्वरीय सुख व अतिन्द्रीय सुख की अनुभूति होगी। जिस तरह का वर्णन शास्त्रों में गोप–गोपियां के लिये है कि वे एक प्रभु के ही रंग में रंग गये थे। प्रमुख प्रवक्ता ब्रह्माकुमारी विद्या बहन ने आध्यात्मिक रहस्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारवें अध्याय के 32 वें श्लोक में परमात्मा ने अपना परिचय देते हुए कहा कि मैं लोगों का नाश करने वाला महाकाल हूॅ। महाकाल अर्थात् परमात्मा शिव का दूसरा नाम है। परमात्म अतरण के संदर्भ में गीता के चौथे अध्याय के 6वे श्लोक में कहा है कि मैं अजन्मा और अविनाशी स्वरूप तथा समस्त प्राणियों का ईश्वर होते हुए भी अपनी प्रकृति को अधीन करके अपनी योगमाया से प्रकट होता हूॅ। आत्मा का अस्तित्व भी अजर अमर और अविनाशी है। कथा पाठ का लाभ लेने के लिये नगरवासी सायं 5:30 बजे से 7:30 बजे तक सादर आंमत्रित हैं।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी।